RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार, 06 मार्च 2023 वर्ष 04 अंक 274 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

चुनाव आयोग ने शिवसेना का

नाम व चुनाव चिह्न छीना

लेकिन पार्टी नहीं छीन सकता...बोले उद्धव

पहले गली का कुत्ता BJP को नहीं पूछ रहा था रत्नागिरी की सभा में गरजे उद्धव ठाकरे

महाराष्ट्र : चुनाव आयोग द्वारा एकनाथ शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और पार्टी का चुनाव चिह्न देने के फैसले के बाद शिवसेना के ठाकरे गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पहली बार जनसभा की। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग पर जमकर हमला बोला। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधते हुए कहा, शिवसेना की स्थापना चुनाव आयोग के पिता ने नहीं, बल्कि मेरे पिता ने की थी। साथ ही उद्धव ठाकरे ने केंद्र की सत्ताधारी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि, गली का कुत्ता पहले बीजेपी को नहीं पूछ रहा था।

उद्धव ठाकरे ने केंद्र और चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि, शिवसेना की स्थापना चुनाव आयोग के पिता ने नहीं, मेरे पिता ने की थी।

इस सिद्धांत के अनुसार, चुनाव आयोग ने कहा है कि शिवसेना शिंदे समूह से संबंधित है, जो गलत है। शायद चुनाव आयोग के पापा ऊपर बैठे हैं। हालांकि, वह आयोग के पिता होंगे, मेरे नहीं। रत्नागिरी में उद्धव ठाकरे ने कहा कि, क्या गोमूत्र छिड़क कर हमारे देश को आजादी मिली थी? क्या ऐसा हुआ कि गोमूत्र छिड़का गया और हमें आजादी मिली? ऐसा नहीं था, स्वतंत्रता सेनानियों ने बलिदान दिया तब हमें आजादी मिली।

सत्ता का गुलाम है निर्वाचन आयोग

रत्नागिरी जिले के एक रैली में उद्धव ठाकरे ने कहा, निर्वाचन आयोग ने शिवसेना का नाम और चुनाव चिह्न छीन लिया है, लेकिन वह पार्टी को हमसे नहीं छीन सकते। उद्धव ठाकरे ने कहा, मैं चुनाव आयोग से विशेष रूप से कहना चाहता हूं कि अगर उनकी आंखों में मोतियाबिंद नहीं है, तो यहां आकर देखें कि कौन सी शिवसेना असली है। यह चुना लगाव आयोग है। ये सत्ता के गुलाम है। ऊपर वाले के हुक्म पर चलने वाले उनके गुलाम हैं। मैं खुलकर बोल रहा हूं कि, वह चुनाव आयुक्त बनकर रहने के लायक नहीं हैं।

चप्पल को लेकर हत्या!

दंपति ने बुजुर्ग को पीट-पीटकर मार डाला

ठाणे : ठाणे में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यहां एक दंपति ने बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस का कहना है कि पीड़ित ने पड़ोसी के घर के दरवाजे पर अपनी चप्पलें रख दी थी, इसी बात को लेकर दंपति ने बुजुर्ग से विवाद किया और विवाद इतना बढ़ा कि दंपति ने पीट-पीटकर बुजुर्ग की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका पति अभी फरार है।

खबर के अनुसार, घटना ठाणे के नया नगर पुलिस थाने की है। यहां दो पड़ोसियों में अक्सर विवाद होता रहता था। रविवार को कथित तौर पर 54 वर्षीय अफसार खत्री ने अपनी चप्पलें पड़ोसी के घर के दरवाजे पर रख दी। इसी बात को लेकर पड़ोस के दंपति से अफसार का विवाद हो गया। पुलिस का कहना है कि विवाद मारपीट तक पहुंच गया और दंपति ने मिलकर बुजुर्ग को बुरी तरह पीट दिया। जिसमें बुजुर्ग अफसार की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि झगड़े के दौरान लगी चोटों के कारण अफसार की मौत हो गई। आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उसका पति फरार है। दोनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

नौकरी के बहाने महिला को खाड़ी देश में बेचने का आरोप

महाराष्ट्र के ठाणे में ही एक अन्य मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों आरोपियों ने एक महिला को नौकरी दिलाने के बहाने ओमान भेजा और उसे कथित तौर पर वेश्यावृति कराने वाले गिरोह को बेच दिया। पुलिस ने बताया कि 43 वर्षीय महिला ने एक ऑनलाइन जॉब पोर्टल पर नौकरी का विज्ञापन देखकर आवेदन किया था। इस पर दोनों एजेंट्स ने महिला से संपर्क किया और उसे बीते साल जुलाई में ओमान भेज दिया। महिला का आरोप है कि ओमान में उसे एक बंगले में कैद रखा गया, जहां पर वेश्यावृति होती थी। जब महिला ने वहां से भागने की कोशिश की तो उसके साथ मारपीट की गई।

नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई पुलिस ने नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया। इन्होंने एक व्यक्ति से 11 लाख रुपये से अधिक की ठगी की थी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पुलिस की साइबर अपराध इकाई ने आरोपियों को महाराष्ट्र के पुणे और अमरावती जिलों के विभिन्न हिस्सों से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित ने पिछले साल दिसंबर में एक 'जॉब पोर्टल' पर अपना 'रिज्यूमे' अपलोड किया था और उसकी जानकारी का उपयोग करके आरोपियों ने उससे संपर्क किया

तथा कुछ पैसे कमाने के लिए कुछ यूट्यूब चैनलों की सदस्यता लेने के लिए कहा। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने शिकायतकर्ता को उसके टेलीग्राफ खाते पर दो लिंक भी भेजे और दावा किया कि अगर उसने इस पर अपना पंजीकरण कराया तो उसका पैसा दोगुना हो जाएगा।

उन्होंने बताया कि एक बार जब पीड़ित ने अपना पंजीकरण कराया, तो आरोपी उसके खाते में कुछ पैसे जमा किए। इसके बाद पीड़ित को मुंबई पुलिस के लोगो वाला एक प्रमाण पत्र मिला, जिसमें कहा गया था कि उसका खाता फर्जी है और उस खाते से लेन-देन को बंद कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता से कहा गया कि जब तक वह आरोपी को कुछ राशि का भुगतान नहीं करता तब तक वह अपने खाते से पैसे नहीं निकाल पाएगा। उन्होंने बताया कि पीड़ित से तीन जनवरी तक विभिन्न लेन-देन में 11.43 लाख रुपये की ठगी की गई, जिसके बाद उसने पिछले महीने पुलिस से संपर्क किया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, डेबिट कार्ड, चेकबुक जब्त किए हैं।

घाटकोपर में निमार्णाधीन इमारत की दीवार का हिस्सा गिरा, 8 घायल

मुंबई : महाराष्ट्र से आ रही बड़ी खबर के अनुसार, यहां की राजधानी मुंबई के घाटकोपर इलाके में निमार्णाधीन इमारत की दीवार का हिस्सा गिरने से 8 लोग घायल हो गए हैं। हालांकि अब तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। मामले पर BMC ने जानकारी देते हुए कहा कि, मुंबई के घाटकोपर इलाके में निमार्णाधीन इमारत(G+1) की दीवार का एक हिस्सा गिरने से 8 लोग घायल हो गए। फिलहाल कोई हताहत नहीं हुआ है। सभी घायलों का पास के अस्पताल में इलाज जारी है।

गौरतलब है कि, बीते साल अक्टूबर 2022 में नवी मुंबई के कोपर खैराने इलाके स्थित बोनकोडे गांव

में रात करीब 10।30 बजे एक चार मंजिला इमारत ढह गई थी। जिसके बाद वहां मौके पर भयंकर अफरा-तफरी मच गई थी। वहीं बीते साल 19 अगस्त को भी, मुंबई के बोरीवली पश्चिम में साईबाबा नगर में एक चार मंजिला इमारत ढह गई थी। हालांकि, इस हादसे में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं थी। तब ऐसा बताया गया था कि इमारत पहले से ही काफी क्षतिग्रस्त थी। ऐसे में प्रशासन ने इसे पहले से ही खाली करा दिया था।

संपादकीय / लेख

राजनीतिक मिथक

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

मुख्तार अब्बास नकवी : वर्ष 2014 के बाद का दौर देश के लोकतांत्रिक इतिहास का वह समय है जब दो बार लोकसभा और तमाम विधानसभा चुनावों में ह्यमोदी मैजिकह्ल देश के सिर चढ़कर बोला। तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों से एक बार फिर इसकी पुष्टि हुई है। वास्तव में पिछले नौ वर्षों के राष्ट्रीय राजनीतिक मंथन ने साबित किया है कि ह्यकुनबे की अकड़, कुशासन की जकड़ह्ल को पछाड़ कर ह्यपरिश्रम की पकड़ह्ल ने अभूतपूर्व परिणाम दिए हैं। वंशवादी राजनीति पर ह्यसुशासन की शक्तिह्ल से विश्व में भारत की धाक और नरेन्द्र मोदी की धमक ने अमृतकाल में प्रमाणित कर दिया है कि भाजपा ह्यशासन की स्वाभाविक पार्टी और मोदी सुशासन के पर्यायह्ल बन गए हैं। पीएम मोदी ने कांग्रेस के ह्यछद्म पंथनिरपेक्षता वाले चोले का खेलाह्ल ही खत्म कर दिया है। ह्यसांप्रदायिक वोटों की ठेकेदारीह्ल को उन्होंने ह्यसमावेशी विकास की हिस्सेदारीह्ल से ध्वस्त कर दिया। देश अब हिंसा से मुक्त माहौल में समृद्धि की राह पर अग्रसर है। इसी परिवर्तन से ह्यसांप्रदायिक सियासत, खानदानी विरासतह्ल परेशान है। कांग्रेस के बारे में सर्वविदित है कि ह्यपरिवार को पावरह्ल न मिले तो वह दूसरों के लिए परेशानी खड़ी करती है। यह किसी से छिपा नहीं कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, एचडी देवेगौड़ा और इंद्र कुमार गुजराल तो छोड़िए, खुद अपनी पार्टी के नरसिंह राव और मनमोहन सिंह के साथ कांग्रेस ने कैसा व्यवहार किया। इसी का नतीजा है कि विपक्ष में ह्यआइ लव यूह्ल से ज्यादा ह्यआइ हेट यूह्ल के सुर सुनाई पड़ रहे हैं। ह्यगठबंधन की गठरीह्ल में जितने छेद हैं, उससे ज्यादा उनके नेताओं में मतभेद हैं। पहले इस छेद को रफू करें और फिर मतभेद को रफूचक्कर, तब देखें ह्यसत्ता का मुंगेरीलाल सपना।ह्ल देश की जनता ने 2014 के बाद वह करिश्मा कर दिखाया जिससे ह्यपरिवार की पुश्तैनी पालिटिक्सह्ल का परेशान होना स्वाभाविक है। पहली बार हुआ कि कोई एक पार्टी और नेता 303 सीटें जीतकर गैर-कांग्रेसी सरकार का गठन कर सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री के रूप में सफलता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इससे पहले 1977 में विभिन्न पार्टियों के गठबंधन में जनता पार्टी और सहयोगी दलों ने 295 सीटें जीतीं थीं, लेकिन वह सरकार दो वर्षों में धराशायी हो गई थी। इससे कांग्रेस यह संदेश देने में सफल रही कि स्थिर सरकार और राजनीतिक स्थायित्व सिर्फ वही दे सकती है। कांग्रेस का अगले चुनाव का नारा भी यही था कि ह्यचुनें उसे जो सरकार चला सकेंह्ल और 1980 के चुनाव में कांग्रेस एवं सहयोगी 373 सीटें जीतकर पुन: सत्ता पर काबिज हो गए। उसके बाद हुए लगभग सभी चुनावों में किसी एक गैर-कांग्रेस पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिल पाया। या तो सरकारें कांग्रेस की कृपा पर चलीं या वे विभिन्न विपरीत विचारधारा वाले दलों के साथ विरोधाभास और खींचतान के बीच रेंगती रहीं। वर्ष 2014 भारतीय लोकतंत्र का वह स्वर्णिम काल कहलाएगा, जो विरासत की सियासत का सूपड़ा साफ करता हुआ एक गरीब-पिछड़े नेता के नेतृत्व में भारत की बागडोर देने वाला रहा। दूसरी ओर जनादेश से पिटे परिवार एवं पार्टियों की मोदी के परिश्रम पर पलीता लगाने के प्रयासों की पराकाष्ठा तब हो गई जब ह्यविदेशी संगीत पर विपक्षी गीतह्ल की जुगलबंदी होने लगी। किसी विदेशी एजेंसी से रिपोर्ट आई कि भारत में असहिष्णुता बहुत बढ़ गई और यहां ह्यअवार्ड वापसी प्रोग्रामह्ल शुरू हो गया। कभी लिंचिंग के ह्यमनगढ़ंत किस्सेह्ल तो कभी अल्पसंख्यकों पर जुल्म की ह्यकपटी कहानीह्ल विश्व को परोसी गई। ऐसे सभी षड्यंत्रों को दरकिनार करते हुए मोदी समावेशी विकास-सर्वस्पर्शी सशक्तीकरण के रास्ते पर अविचल भारत की विकास यात्रा को आगे बढ़ाते रहे। ह्यहिट एंड रनह्ल की ह्यपिलपिली पटकथाह्ल के पात्र बखूबी जानते हुए कि मोदी पर नाकामी-बेईमानी की बात न चिपकेगी और न टिकेगी, फिर भी कभी राफेल, कभी चीन, कभी नोटबंदी, कभी किसान, कभी सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल, कभी कोरोना पर बवाल तो कभी फौज की भर्ती पर दुष्प्रचार करते रहे। वैचारिक कंगाली से भरे सवाल दागे जाते रहे।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

कई दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं एआरटी केंद्र

वयस्क रोगियों को एंटी एचआईवी दवाओं के बाल चिकित्सा फॉमूर्लेशन देने के लिए मजबूर

मुंबई : भारत में कई एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) केंद्र कई दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं। ऐसी स्थिति में एचआईवी के वयस्क रोगियों को एंटी एचआईवी दवाओं के बाल चिकित्सा फॉमूर्लेशन देने के लिए मजबूर होना पड़ा है। बताया गया है कि वैकल्पिक प्रथम पंक्ति दवा के रूप में दी जानेवाली दवा अबाकवीर लैमिवुडाइन (एएल) की कमी फरवरी महीने से ही चल रही है। आलम यह है कि देश के कई हिस्सों में वयस्क रोगियों को आवश्यक खुराक प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन एक की बजाय पांच गोलियों का सेवन करना पड़ रहा है। आरोप लग रहा है कि केंद्र सरकार की नाकामी की सजा अब एचआईवी मरीजों को भी भुगतनी पड़ रही है।

भारत में दुनियाभर में एचआईवी मरीजों की तीसरी सबसे बड़ी आबादी है। भारत में कुल २३ लाख से अधिक लोग एचआईवी संक्रमित हैं। केंद्र सरकार ने साल २००४ में मुफ्त एंटी-रेट्रोवायरल दवाएं देना शुरू किया था। शुरूआत में पहले इलाज के लिए दवाएं मुफ्त दी गईं थीं और धीरे-धीरे मुफ्त दवाएं देना बढ़ा दिया गया था। फिलहाल, इस समय फरवरी महीने से ही वैकल्पिक प्रथम पंक्ति दवा के रूप में दी जानेवाली दवा अबाकवीर लैमिवुडाइन (एएल) की कमी चल रही है। दवाओं की इस कमी ने पूर्वोत्तर राज्यों को और अधिक गंभीर रूप से प्रभावित किया है। यहां तक कि बाल चिकित्सा फॉमूर्लेशन भी कम आपूर्ति में हैं।

वयस्क रोगी इलाज से न चूक जाएं, इसलिए महाराष्ट्र स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी ने उन्हें एएल के अतिरिक्त बाल चिकित्सा सूत्र को देने का फैसला किया। हालांकि, रोगियों को प्रतिदिन पांच गोलियों का सेवन करना पड़ता है। सामाजिक संस्था 'उड़ान' के सदस्य विजय नायर के अनुसार, एक या दूसरी दवा की कमी हमेशा एक समस्या है। एचआईवी रोगी अक्सर अन्य संक्रमणों के लिए दूसरी दवाओं का सेवन करते हैं।

मुसिरी अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर पाबंदियां

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। आरबीआई ने एक बार फिर को-ऑपरेटिव बैंकों पर बड़ा एक्शन लिया है। अब आरबीआई ने मुसिरी अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर पाबंदियां लगाने की बात कही है। इस प्रतिबंध के तहत बैंक से अब ग्राहकों की नकद निकासी की सीमा को कम कर दिया है। रिजर्व बैंक का कहना है कि इस बैंक पर यह पाबंदी बिगड़ती वित्तीय स्थिति को देखकर लगाई गई है। आरबीआई ने जमाकर्ताओं को सभी बचत बैंक या चालू खातों या किसी अन्य खाते में कुल शेष राशि में से ५,००० रुपए से अधिक की राशि निकालने पर रोक लगा दी है। आरबीआई की तरफ से बैंक पर लगाए प्रतिबंधों के तहत, बैंक किसी को, किसी भी तरह का लोन नहीं देगा। कोई भी इस बैंक में निवेश नहीं कर सकता है। साथ ही बैंक रुपयों के उधार से संबंधित किसी भी दायित्व को वहन नहीं कर सकता है। साथ ही किसी नए जमा की स्वीकृति या किसी भी भुगतान के लिए सहमत नहीं हो सकता है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह बैंक किसी के साथ कोई भी समझौता नहीं कर सकती है। इस बैंक के पास किसी संपत्ति या संपत्ति को बेचने और स्थानांतरित करने का कोई अधिकार नहीं है। उक्त जानकारी आरबीआई ने दी है।

नाबालिग लड़की ने दिया बच्ची को जन्म, शख्स ने इस तरह जाल में फंसाया था

नागपुर: महाराष्ट्र के नागपुर से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। नागपुर में एक 15 साल की नाबालिग ने एक बच्ची को जन्म दिया है। इस बीच किसी तरह नाबालिग के परिजनों को मामले की जानकारी मिली, तब मामला नागपुर के अंबाझरी पुलिस थाने पहुंचा। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो के तहत मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, 15 साल की नाबालिग सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर काफी सक्रिय रहती थी। इस बीच उसकी इंस्टाग्राम पर रमेश ठाकुर नाम के एक व्यक्ति से पहचान हुई। ठाकुर की इंस्टाग्राम पर 'अकेला' नाम से आईडी थी। इंस्टाग्राम पर लाइक-कमेंट के बाद पहचान प्यार में बदल गई, जिसके बाद दोनों में मेल-मिलाप शुरू हुआ। आरोपी रमेश ठाकुर नाबालिग की अज्ञानता का फायदा उठाकर उसे नागपुर के सिविल लाइन्स स्थित झाड़ियों में ले गया, जहां उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए, बाद में उसे डराया-धमकाया। इस बीच नाबालिग बालिका प्रेगनेंट हो गई लेकिन उसे इसकी जानकारी नहीं रही।

जब यह समझ में आया, तब तक काफी देर हो चुकी थी, लेकिन डर के मारे उसने अपने परिजनों को इसके बारे में कुछ नहीं बताया। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर वह जैसे तैसे दिन निकालती रही। फिर 3 तारीख को उसने अपने घर पर जब वो अकेली थी, तब एक बच्ची को जन्म दिया। परिजनों को जब इसकी जानकारी लगी तो वह हैरान रह गए। इसके बाद पूछताछ में लड़की ने पूरा घटनाक्रम खोलकर रख दिया।

विदेशी मुद्रा भंडार में 15 बिलियन डॉलर से ज्यादा की गिरावट

मुंबई, देश की अर्थव्यवस्था चरमरा रही है। इसका परिणाम है कि लगातार चौथे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई है। आरबीआई (भारतीय रिजर्व बैंक) ने विदेशी मुद्रा भंडार यानी फॉरेक्स को लेकर ये डाटा जारी किया है। गत २४ फरवरी को खत्म सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार ३२५ मिलियन डॉलर घटकर ५६०.९४२ अरब डॉलर पर आ गया। बीते चार हफ्तों में विदेशी मुद्रा भंडार में १५ बिलियन डॉलर से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है।

आरबीआई की ओर से जारी किए गए डाटा के मुताबिक गत २४ फरवरी को खत्म हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार ३२५ मिलियन डॉलर घटकर ५६०.९४ अरब डॉलर पर आ गया, जबकि उसके पहले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार ५६१.२७ अरब डॉलर रह गया था। १० फरवरी को खत्म सप्ताह में ५६६.९४ अरब डॉलर और ३ फरवरी, २०२३ को खत्म सप्ताह में ५७५.२७ अरब डॉलर रहा था। पिछले चार हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में करीब १५ अरब डॉलर की कमी आ चुकी है। १० फरवरी को विदेशी मुद्रा भंडार में ८.३१ अरब डॉलर में कमी आई थी जो ११ महीने की सबसे बड़ी गिरावट थी।

आरबीआई के मुताबिक इसी अवधि में विदेशी करेंसी एसेट्स १६६ मिलियन डॉलर घटकर ४९५.९०६ अरब डॉलर रह गया। इसी अवधि में गोल्ड रिजर्व में ६६ मिलियन डॉलर की कमी आई है। गोल्ड रिजर्व घटकर ४१.७५१ अरब डॉलर का रह गया है, जबकि एसडीआर में ८० मिलियन डॉलर की कमी आई है और ये १८.१८७ अरब डॉलर का रह गया है। आईएमएफ के पास जमा रिजर्व में १२ मिलियन डॉलर की कमी आई है और ये घटकर ५.०९८ अरब डॉलर रह गया है। अक्टूबर २०२१ में विदेशी मुद्रा भंडार ६४५ अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर जा पहुंचा था। उसके बाद से कमरतोड़ महंगाई के चलते ब्याज दरों में बढ़ोतरी और रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद विदेशी निवेशकों की बिकवाली के चलते विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट देखने को मिली है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार, 06 मार्च 2023

सेलिब्रिटीज के पैन डिटेल्स से

सायबर जालसाजों ने बनवाए 'वन कार्ड'लगाया लाखों का चूना

मुंबई, सायबर फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब एक विचित्र मामले में सायबर जालसाजों ने स्कैम कर सेलिब्रिटीज को शॉक दे दिया है। स्कैमर्स के एक ग्रुप ने कथित तौर पर एमएस धोनी सहित कई बॉलीवुड एक्टर्स के जीएसटी पहचान नंबर से उनके पैन डिटेल्स को प्राप्त किया और पुणे आधारित फिनटेक स्टार्टअप 'वन कार्ड'से उनके नाम पर क्रेडिट कार्ड बनवाए और कार्ड के आधार पर लाखों का चूना लगा दिया। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) रोहित मीणा ने बताया कि धोखाधड़ी करनेवालों ने अभिषेक बच्चन, शिल्पा शेट्टी, माधुरी दीक्षित, इमरान हाशमी और महेंद्र सिंह धोनी के नाम और उनके विवरण का इस्तेमाल किया। कंपनी को बाद में धोखाधड़ी का पता चला, लेकिन इससे पहले ही जालसाजों ने इनमें से कुछ कार्ड का इस्तेमाल कर २१.३२ लाख रुपए के प्रोडक्ट्स की खरीदारी कर ली थी। इसके बाद कंपनी ने तुरंत दिल्ली पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसने कार्रवाई करते हुए मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि पांचों आरोपियों की पहचान पुनीत, मोहम्मद आसिफ, सुनील कुमार, पंकज मिश्रा और विश्व भास्कर शर्मा के तौर पर हुई है। सूत्र ने कहा, ''इन हस्तियों की जन्मतिथि भी गूगल पर मौजूद थी... पैन नंबर और जन्मतिथि मिलने से उन्हें पैन संबंधी आवश्यक विवरण हासिल हो गया। उन्होंने धोखे से पैन कार्ड को फिर से बनवाया और उस पर अपनी तस्वीर लगा दी, ताकि वीडियो वेरिफिकेशन के दौरान उनका चेहरा पैन / आधार कार्ड पर उपलब्ध तस्वीर से मेल खाए। सूत्र ने बताया कि उदाहरण के लिए अभिषेक बच्चन के पैन कार्ड में उनका पैन नंबर और जन्मतिथि थी लेकिन आरोपियों में से एक की तस्वीर लगी थी।

शांतिपूर्वक त्योहार मनाने की अपील

कोई हुड़दंग करता है तो पुलिस उस पर कर सकती है कार्रवाई

मुंबई : दिलों को जोड़नेवाली होली के त्योहार को लेकर हिंदुस्थान भर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुंबई में हर साल एकजुटता के साथ होली धूमधाम से मनाई जाती है। होली को लेकर कई हॉउसिंग सोसाइटी ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि पानी को बेवजह बर्बाद न करें। इसके अलावा सभी से शांतिपूर्वक त्योहार मनाने की अपील की गई है। अगर कोई हुड़दंग करता है तो पुलिस उस पर कार्रवाई भी कर सकती है। इन सबके बीच चर्म रोग विशेषज्ञ लोगों को सलाह दे रहे हैं कि होली में अपने होंठ को बचाने में विशेष ध्यान दें, अन्यथा

बता दें कि मुंबई में ८ मार्च को होली मनाई जाएगी। इससे पहले ७ मार्च को शाम ६.२४ से ८.५१ बजे तक होलिका दहन का शुभ मुहूर्त है। होलिका दहन को लेकर भी लोगों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुंबई में होली को लेकर लोगों में भारी उत्साह भी देखने को मिल रहा है। हालांकि, लोगों से अपील की गई है कि वे शांतिपूर्वक इस त्योहार को मनाएं। इसके साथ-साथ अगर कोई माहौल बिगाड़ने की कोशिश करता है तो उस पर कार्रवाई भी की जाएगी। बता दें कि मुंबई और आसपास की जगहों पर हर साल होली का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। यहां कई तरह के इवेंट्स भी होते हैं, जिसे लोग जमकर एन्जॉय करते हैं।

मुंबई के एफडीए कमिश्नर शशिकांत काकरे ने कहा कि केमिकल युक्त रंग बनाने वालों की खैर नहीं है। हानिकारक केमिकल युक्त रंग की शिकायत मिलने पर उसके सैंपल लिए जाएंगे और जांच में इसकी पुष्टि होती है तो संबंधितों पर कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए मुंबई में चार ड्रग इंस्पेक्टर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं।

केमिकल युक्त रंग त्योहार को बदरंग कर सकता है। केमिकल युक्त रंग से बचने के लिए पहले से ही तैयारी कर लें।

पूर्व केंद्रीय मंत्री के चचेरे भाई ने की आत्महत्या

मुंबई : महाराष्ट्र के लातूर में पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल चाकुरकर के एक रिश्तेदार ने अपने घर पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि चंद्रशेखर (81 वर्षीय) को हनमंतराव पाटिल नाम से भी जाना जाता था। सुबह करीब साढ़े आठ बजे लाइसेंसी रिवॉल्वर से उन्होंने खुद को गोली मार ली। वह पूर्व लोकसभा अध्यक्ष शिवराज पाटिल चाकुरकर के चचेरे भाई थे। हनमंतराव पाटिल, पूर्व मंत्री के ह्यदेवघरह्न आवास के करीब रहते थे और अक्सर आते-जाते थे। अधिकारी ने बताया कि वह कई वर्षों से किसी बीमारी से परेशान थे। उन्होंने बताया कि घटना के समय मंत्री का बेटा वहां मौजूद था और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश देवरे, पुलिस उपाधीक्षक जितेंद्र जगदाले और अन्य सहित वरिष्ठ अधिकारी जांच के सिलसिले में घटनास्थल पर मौजूद हैं।

मुंबई की सड़कों पर लगेगा यूरोप जैसा फर्नीचर

मुंबईकरों को मिलेगी नई सुविधा

मुंबईः मुंबई को अंतरराष्ट्रीय स्तर की पहचान देने के लिए बीएमसी करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। इसी क्रम में बीएमसी ने मुंबई में यूरोपीय देशों की तरह स्ट्रीट फर्निचर लगाने का फैसला किया है। इन स्ट्रीट फर्निचर में सीट्स, ट्री ग्रेट्स, बेंच रेलिंग बोलार्ड आदि शामिल होंगे। फर्निचर के आसपास सुंदरता बढ़ाने के लिए बीएमसी फ्लॉवर पॉट्स और आधुनिक सुविधाओं से लैश डस्टबिन भी रखेगी। बीएमसी मुंबई की सड़कों पर फर्निचर लगाने में 263 करोड़ रुपये खर्च करेगी। बीएमसी को उम्मीद है कि इससे देशी-विदेशी पर्यटक आकर्षित होंगे। साथ ही सीनियर सिटिजन के लिए यह काफी फायदेमंद साबित होगा। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि जोन-1 (दक्षिण मुंबई) को छोड़कर अन्य सभी 6 जोन में आधुनिक स्ट्रीट फर्निचर लगाए जाएंगे। यानी दादर से मुलुंड और बांद्रा, अंधेरी, बोरोवली सहित दहिसर तक यह फर्निचर लगाए जाएंगे। यह फर्निचर आधुनिक, आकर्षक और टिकाऊ होंगे।

विशेष रूप से फुटपाथों पर जहां भी संभव हो, ऐसे फर्निचर लगाए जाएंगे, जो नए और कलात्मक हों। इनसे एरिया की सुंदरता को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारी ने बताया कि स्ट्रीट फर्निचर के लिए सीट्स दो तरह के, ट्री ग्रेट्स दो प्रकार के, डस्टबिन, फ्लॉवर पॉट्स 3 तरह के बेंच रेलिंग्स बोलार्ड 2 प्रकार के लगेंगे। अधिकारी ने कहा कि मुंबई में इस तरह के फर्निचर पहली बार लगेंगे। ऐसे फर्निचर यूरोपीय देशों खासकर लंदन में लगे होते हैं।

BMC खर्च करेगी 263 करोड़ रुपये

इस तरह बदलेगी सूरत

शहर को खूबसूरत बनाने के लिए बीएमसी पिग्मेंटेड कंक्रीट फिनिश्ड सिंली ड्रिकल क्वालिटी के 2913 फर्निचर लगेंगे, पिग्मेंटेड कंक्रीट फिनिश्ड स्क्वेयर क्वालिटी के 2773, फिनिश्ड स्क्वेयर ट्री ग्रेट क्वालिटी के 6867 सीट, सर्क्युलर ट्री ग्रेट के 4132 सीट, रेक्ट ग्यूलर ग्लास फायबर रेनफोर्डस , पॉलिमर फ्लॉवर पॉट्स और प्लांट प्लांटर के 3719 और 3067 सिंडी ड्रिकल डस्टबिन लगाए जाएंगे।

निजी वाहनों को सब्सिडी योजना में

शामिल नहीं किया जाएगा

मुंबईः केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदी पर सब्सिडी देने की योजना भी बनाई थी। लेकिन अब सरकार ग्रीन एनर्जी का गला यह निर्णय लेकर घोट रही है कि वह केवल कमर्शियल वाहनों को ही सब्सिडी देने में अब समर्थ है। केंद्र सरकार का कहना है कि निजी उपयोग के वाहनों को सब्सिडी योजना में शामिल नहीं किया जाएगा।

बता दें कि इलेक्ट्रिक बसों की मांग तेजी से बढ़ रही है। केंद्र सरकार ने हाल ही में निजी इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी देने से साफ इनकार कर दिया है। सरकार ने यह साफ कर दिया है कि ई-बस की कंपनियों को ई-बसों के निर्माण पर सब्सिडी नहीं दी जाएगी, वहीं सरकार ने सफाई देते हुए कहा है कि नई ई-बस की कीमतें, भारी सब्सिडी के बिना भी, डीजल और सीएनजी की परिचालन लागत से कम है। इसी के तहत केंद्र ने इलेक्ट्रिक बस बनानेवालों को बिना सब्सिडी के कारोबार के लिए तैयारी करने के लिए फीलर्स भेजे हैं। सरकार द्वारा नियंत्रित कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज (सीईएसएल) द्वारा आयोजित ५,४५० बसों के लिए २०२२ की शुरूआत में जारी केवल पहली निविदा में केंद्र द्वारा प्रदान की जानेवाली सब्सिडी थी।

अल्ट्राटेक ग्रीनटेक के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक केवी प्रदीप ने कहा, ह्यजहां तक सब्सिडी का सवाल है, अब तक विभिन्न ९ परियोजनाओं के लिए दी जानेवाली फेम सब्सिडी चालू है। लेकिन भविष्य की परियोजनाओं के लिए, सरकार बिना सब्सिडी के निविदा सी में ड भागीदारी को प्रोत्साहित कर रही है इसलिए सब्सिडी तत्व अब व्यवसाय में शामिल नहीं है और भविष्य में यह समान नहीं होगा।ह्न कुछ महीने पहले जारी हुई ६,४६५ इलेक्ट्रिक बसों के लिए दूसरे टेंडर में सब्सिडी की पेशकश नहीं है। १२-मीटर बस के लिए बिना किसी सब्सिडी के ई-बस के संचालन की लागत लगभग ५४.३ रु. प्रति किमी (इंट्रा-सिटी) और ३९.८ रु. प्रति किमी (इंटरसिटी) थी। ९ मीटर की बस के लिए यह ५४.४६ रु. प्रति किमी और ७ मीटर की बस के लिए ६१.९२ रु. प्रति किमी थी। सीईएसएल के एमडी और सीईओ विशाल कपूर ने कहा, ह्यजहां तक नेशनल इलेक्ट्रिक बस प्रोग्राम (एनईबीपी) के तहत ई-बस टेंडरों का संबंध है, वे सब्सिडी के बिना हैं। यहां तक कि हम आगे बढ़ते हैं, एनईबीपी-२, जो अभी लाइव है, बिना सब्सिडी के है।ह्न

ई-बस खंड, जिसे राज्य सरकारों और उनके परिवहन उपक्रमों (एसटीयूपी) से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, उन्हें अब सब्सिडी सहायता की आवश्यकता नहीं है। मॉडल के तहत, निविदाओं में अनुबंधों के लिए बोली लगानेवाली कंपनियों से अपेक्षा की जाती है कि वे या तो अपनी स्वयं की बैलेंस शीट के तहत या एक वित्त भागीदार के साथ टाई-अप के माध्यम से बस संपत्ति का प्रबंधन करें।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार, 06 मार्च 2023

नालासोपारा में लगी आग, फिर सिलेंडर विस्फोट, 2 जवान घायल...

महाराष्ट्र : हाल ही में आई बड़ी खबर के मुताबिक, मुंबई के नालासोपारा पूर्व में एक जगह भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। आपको बता दें कि इस भीषण आग में 2 जवान घायल हो गए हैं। इस बीच पीपीई किट की वजह से दोनों की जान बचा ली। गनीमत यह रही कि घर में कोई नहीं था और हादसा टल गया। फिलहाल घटसनास्थल पर आग बुझाने का कार्य चल रहा है।

मौके पर पहुंची अग्निशमन गाड़ी

आपको बता दें कि अंबरनाथ लापसी, उनका पंचम पैलेस, बी विंग रूम नंबर 207 में मध्य रात्रि 3:39 बजे आग लग गई। ऐसे में 3:40 बजे दमकल की एक गाड़ी को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। वही 3:45 मिनट में अग्निशमन की गाड़ी मौके पर पहुंची। इस दौरान बिल्डिंग में मौजूद सभी लोग बाहर आ गए थे। जिसके चलते किसी भी जीव हानि नहीं हुई।

आग के बाद सिलेंडर विस्फोट

दमकल कर्मी जैसे ही मौके पर पहुंचे और दमकलकर्मी राहुल पाटिल और कुणाल तमोरे आग का निरीक्षण करने के लिए कमरे में दाखिल हुए, तभी जलती आग में सिलेंडर फट गया। बैक ड्रॉप में आग लगने से दोनों अग्निशमन के जवान झुलस गए और दोनों पीपीई किट होने के कारण बच गए। इसमें राहुल पाटिल ने 22 फीसदी और कुणाल ने 12 फीसदी जले हुए हैं।

शिवसेना का सुप्रिया सुले पर सनसनीखेज आरोप...

कहा- मटन खाकर गईं मंदिर, वीडियो वायरल

महाराष्ट्र : हर पल बदलने वाली इस महाराष्ट्र के राजनीति में कब क्या होगा यह कोई नहीं बता सकता। सियासी दांव खेलते हुए कौन किस पर आरोप लगाएगा इसका भी कोई अंदाजा नहीं लगा सकता है। इसी तरह शिवसेना शिंदे गुट के नेता विजय शिवतारे ने एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले पर मटन खाकर मंदिर जाने का आरोप लगाया है, आइए जानते है इस सनसनीखेज आरोप में विजय शिवतारे ने क्या कहा है.

होटल में मटन थाली

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस वीडियो में सुप्रिया सुले दो युवकों से बातचीत कर रही हैं। इस वीडियो के बारे में यह बताया जा रहा है कि यह वीडियो किसी होटल का है। इन दोनों युवकों ने मटन थाली मंगवाई थी, इस बार सुप्रिया सुले ने इन युवकों से बात करते हुए कहा कि उन्होंने भी यही थाली ही खाई थी।

मटन खाकर भगवान के दर्शन!

इस बात को पकड़कर, शिवतारे ने सुप्रिया सुले पर आरोप लगाया है कि उन्होंने मटन थाली खाई और फिर दर्शन के लिए महादेव और सासवड के सोपानकाका मंदिर गए। जी हां सुप्रिया पर अब यह आरोप है कि उसने आज पुणे के एक होटल में मटन खाया और फिर भगवान के दर्शन किए।

इस मामले पर विवाद

ज्ञात हो कि कुछ दिन पहले NCP अध्यक्ष शरद पवार ने मटन खाकर पुणे के दगदाशेठ हलवाई मंदिर जाने से परहेज किया था। लेकिन, अब आरोप लगाया जा रहा है कि सुप्रिया सुले ने मटन खाकर मंदिर में प्रवेश किया। इसलिए अब यह संभावना है कि सुप्रिया सुले के इस मंदिर दर्शन से एक नया विवाद खड़ा हो सकता है।

शिवतारे के सुप्रिया सुले पर गंभीर आरोप

जैसा कि हमने आपको बताया शिवसेना नेता विजय शिवतारे ने सुप्रिया सुले पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आपको बता दें कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर शिवतारे ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जहां उन्होंने सुप्रिया सुले पर यह आरोप लगाया है कि वह मटन खाकर महादेव मंदिर गई थीं। फिलहाल यह वीडियो सोशल मीडिया पर सनसनी मचा रहा है।

ठाणे जिले में कंपनी के प्रबंधक पर हमला, चार आरोपी गिरफ्तार

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 15 फरवरी को एक व्यक्ति पर हमला करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ निरीक्षक किशोर शिरसात ने कहा कि सुरेंद्र मौर्य नामक व्यक्ति पर लोहे के डंडों से हमला किया गया था। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद अपराध शाखा इकाई-3 ने आरोपियों से पूछताछ की। अधिकारी ने बताया कि चार आरोपियों को शुक्रवार को पकड़ा गया था। गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस को बताया कि मौर्य एक कंपनी में मैनेजर हैं और उन्होंने (आरोपियों ने) इस कंपनी में फर्नीचर की आपूर्ति का ठेका गंवा दिया था। जिसके कारण उनपर हमला हुआ।

प्याज के सही दाम नहीं मिलने से परेशान किसान...

मंत्री के सामने हुआ जमकर हंगामा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में प्याज किसानों को रुला रहा है. प्याज के सही दाम नही मिल पाने से परेशान किसानों ने यहां मंत्री के सामने जमकर हंगामा किया. महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल करीब एक महीने बाद सोलापुर में बैठक के लिए पहुंचे थे लेकिन उनकी बैठक में किसानों ने हंगामा कर दिया.

मंत्री के सुरक्षा गार्ड के रोकने पर किसानों ने की नारेबाजी

जानकारी के मुताबिक, कुछ किसान मंत्री से मिलने के लिए पहुंचे थे. तभी सुरक्षागार्ड ने किसानों को रोक दिया. उसी के बाद किसानों ने मंत्री के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी. प्याज के उचित दाम न मिलने से नाराज किसानों ने सोलापुर के नियोजन भवन में जमकर हंगामा किया. बाद में पुलिसकर्मियों ने किसी तरह समझा बुझाकर मामला शांत कराया. महाराष्ट्र में प्याज लगाने वाले किसा नों की हालत खराब है. अभी पिछले दिनों एक किसान ने 5.12 क्विंटल प्याज बेचा तो गाड़ी भाड़ा और तुलाई आदि सारा खर्च काटकर उसे दो रुपये का मंडी से चेक मिला. इस भयावह स्थिति को देखते हुए विधानसभा में मुख्यमंत्री ने आश्वासन तो दिए हैं लेकिन उसका किसानों को तत्काल कोई फायदा होता नजर नहीं आ रहा. विपक्षी दल प्याज के गिरते भाव को बड़ा मुद्दा बना चुके हैं, किसान हंगामा कर रहे हैं.

पिछले माह राजेंद्र तुकाराम चह्वाण नाम के किसान ने 17 फरवरी को सोलापुर एपीएमसी मंडी में 5.12 क्विंटल प्याज बेची थी. गाड़ी भाड़ा, तुलाई व अन्य सारा खर्च काटने के बाद किसान को मात्र दो रुपये चेक मिला था. उस किसान को एक रुपये प्रति किलो की दर से प्याज बेचना पड़ा था. दो एकड़ जमीन में उनसे प्याज की खेती की थी और उसकी मेहनत के अलावा 2 एकड़ में प्याज उपजाने में लगभग 40 हजार रुपये खर्च हुए थे.

250 परिवारों के परिसर हुआ खाली

ढीले स्लैब और टूटे हुए खंभे के कारण बिल्डिंग को खतरा

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के डोंबिवली में इलाके में पांच इमारतों वाली एक आवासीय परिसर को पूरी तरह से खाली करा दिया गया है। बताया जा रहा है कि इस परिसर के कुछ स्लैब ढीले होने लगे और खंभों में दरारें आ गई हैं। दमकल विभाग के अधिकारियों ने रविवार को बताया कि जानकारी दमकल विभाग के अधिकारियों ने साझ की।

पूरे परिसर का किया जाएगा निरीक्षण

दमकल विभाग के अधिकारियों ने कहा कि शनिवार रात 11 बजे ढीले स्लैब और टूटे हुए खंभे देखे गए, जिसके बाद फायर ब्रिगेड, पुलिस और नागरिक कर्मी निलजे में साइट पर पहुंचे। इसके बाद वहां से लगभग 250 परिवारों के आवास को खाली करवा दिया गया। अधिकारी एक बार फिर से इस परिसर का निरीक्षण करेंगे, इसके बाद ही वे लोग इसके लिए आगे की कार्रवाई करेंगे।

1998 में बनाया गया था बिल्डिंग...

सिविक सब फायर ऑफिसर नामदेव चौधरी ने बताया, ह्न इन इमारतों को 1998 में बनाया गया है। वे कल्याण डोंबिवली नगर निगम द्वारा बनाए गए असुरक्षित और खतरनाक भवनों की सूची में नहीं हैं। संरचनात्मक जांच किए जाने के बाद वार्ड अधिकारी आगे के बारे में सोचेंगे।ह्न चौधरी ने कहा कि फिलहाल किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है और जिन निवासियों को खाली कर दिया गया है, वे अपने लिए वैकल्पिक आवास ढूंढ रहे हैं।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com